दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 यूपी के सभी 85,827 गांवों के लिए योगी सरकार लेकर आई नई नीति, लोगों को मिलेगा यह लाभ

5 यूपी कैबिनेट का बड़ा फैसला

8 ग्लैमर का तड़का

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 38 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 17 मार्च, 2025

योगी का होली गिफ्ट

1.86 करोड़ परिवारों को मुफ्त गैस सिलेंडर, बेटियों को दी ये सौगात

सीएम योगी ने होली से पहले प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को मुफ्त गैस सिलेंडर के लिए 1890 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी। उज्ज्वला योजना के तहत यह सुविधा दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले गैस कनेक्शन के लिए घूस देना पड़ता था अब यह मुफ्त में उपलब्ध है।

पहले घूस देकर मिलता था गैस कनेक्शन, अब होली–दिवाली मुफ्त सिलेंडररू योगी
मुख्यमंत्री ने 1.86 करोड़ परिवारों को दी 1890 करोड़ रुपये की सब्सिडी
कहा– इस बार होली और रमजान एक साथ, सभी को मिलेगा इसका लाभ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। होली के ठीक पहले बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत प्रदेश के 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर के लिए 1890 करोड़ रुपये की सब्सिडी वितरित की। मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर सभी के बैंक खातों में धनराशि भेजी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले गैस कनेक्शन के लिए घूस देना पड़ता था, अब देश में 10 करोड़ परिवारों को ये सुविधा मुफ्त में उपलब्ध कराई गई है। होली–दिवाली पर गैस सिलेंडर भी मुफ्त दिया जा रहा है। इस बार होली और रमजान एक साथ है, सभी लोगों को इस योजना का फायदा मिलेगा।

दो करोड़ लोग योजना से हुए लाभान्वित– योगी

लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत प्रदेश में करीब दो करोड़ लोग इस योजना से लाभांवित हुए हैं। 2021 के चुनाव में हमने वादा किया था कि 2022 में सरकार बनने पर होली और दिवाली में मुफ्त गैस सिलेंडर देंगे। तब से हर वर्ष यह योजना चल रही है, ताकि लोग त्योहार अच्छे से मना सकें। पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि पहले एक गैस कनेक्शन के लिए 25–30 हजार रुपये की घूस देना पड़ता था और त्योहारों पर सिलेंडर भी नहीं मिल पाते थे। उज्ज्वला

योजना में किसी के साथ भेदभाव नहीं किया गया है।

15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांटे जा रहे– योगी

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 80 हजार राशन डीलर 3.60 करोड़ राशन कार्डधारकों के जरिए 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांट रहे हैं। सरकार गरीबों, किसानों और बेटियों के कल्याण के लिए संकल्पबद्ध है।

प्रदेश में अब तक 22 लाख बेटियों को पढ़ाई के लिए प्रति बेटी 25 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है, जबकि चार लाख बेटियों की शादी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना से कराई गई है।

अप्रैल से बेटियों को एक लाख रुपये की सहायता दी जाएगी– योगी

अप्रैल से बेटियों की शादी के लिए एक लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। वहीं, बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम आने के बाद मेधावी बेटियों को स्कूटी और कामकाजी महिलाओं को अहिल्याबाई होलकर के नाम पर आवासीय सुविधा भी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में राशन की दुकानों को अब अन्नपूर्णा भवन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां जरूरत का सामान, बिजली बिल जमा करने की सुविधा और वेयरहाउस की व्यवस्था होगी। दो हजार से अधिक अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण चल रहा है।

भारत में कितनी होगी स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट की कीमत

नई दिल्ली। जियो और एयरटेल ने भारत में स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट के लिए एलन मस्क की **SpaceX** से करार कर लिया है। अब सवाल यह उठता है कि यदि भारत में सर्विस शुरू होती है, तो इंटरनेट की कीमत कितनी होगी, और क्या यह मौजूदा 5ळ इंटरनेट से सस्ती होगी? आइए इन सवालों के जवाब जानते हैं। एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस स्टारलिंक अब बहुत जल्द भारत में शुरू हो सकती है। हाल ही में टेलीकॉम सेक्टर की दो बड़ी कंपनियों– जियो और एयरटेल ने स्टारलिंक इंटरनेट सर्विस के लिए स्पेसएक्स के साथ साझेदारी का ऐलान किया है। हालांकि, स्टारलिंक अब तक भारतीय अथॉरिटीज से आधिकारिक अनुमति मिलने का इंतजार कर रही है। कंपनी को अप्रूवल मिलते ही बहुत जल्द भारत में स्टैलाइट इंटरनेट सर्विसस शुरू होने की उम्मीद है। ऐसे में लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं कि यदि ये सर्विस भारत में शुरू होती है तो इसकी कीमत कितनी होगी, इसकी स्पीड कितनी होगी और क्या यह मौजूदा 5ळ इंटरनेट से सस्ती होगी या इसके लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। आइए इन सभी सवालों का जवाब जानने की कोशिश करते हैं...

सैटेलाइट इंटरनेट कैसे काम करता है?

स्आरलिंक सैटेलाइट बेस्ड इंटरनेट सर्विस है, जिसमें घर तक इंटरनेट पहुंचाने के लिए टावर या फाइबर केबल का नहीं, बल्कि सीधे सैटेलाइट से मिलने वाले सिग्नल का उपयोग किया जाता है। इससे एक ओर फास्ट इंटरनेट है, तो दूसरी तरफ इससे ऐसी जगहों में इंटरनेट पहुंचाया जा सकता है जहां मोबाइल टावर या केबल इंटरनेट की पहुंच न हो। कई देशों में दूरदराज वाले इलाकों में इंटरनेट पहुंचाने के लिए सैटेलाइट सर्विस का इस्तेमाल पहले ही शुरू हो चुका है।

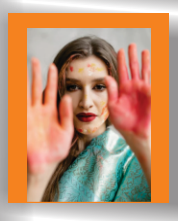

गोरखपुर में रंग गुलाल

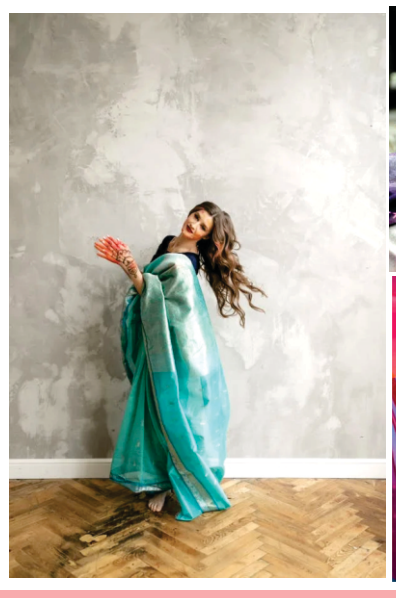

सम्पादकीय

कांग्रेस–देर आयद दुरुस्त आयद

अपने दो दिवसीय गुजरात के दौरे पर राहुल गांधी ने जो कहा वह उन्हें काफी पहले कहना चाहिये था और अब वे जो करने का कह रहे हैं उन्हें बिना विलम्ब किये कर देना चाहिये।

अपने दो दिवसीय गुजरात के दौरे पर राहुल गांधी ने जो कहा वह उन्हें काफी पहले कहना चाहिये था और अब वे जो करने का कह रहे हैं उन्हें बिना विलम्ब किये कर देना चाहिये। लोकसभा के भीतर राहुल ने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती दी है कि कांग्रेस गुजरात में भाजपा को सत्ता से हटायेगी। लोकसभा चुनाव के बाद हुए चुनावों में कांग्रेस को वैसी सफलता नहीं मिली जो राहुल के दावे के आसपास भी कहीं हों। हालांकि राहुल ने जब भाजपा को हराने की बात कही थी तब उनका आशय विधानसभा चुनावों से था जो पहले ही हो चुके थे और अगला चुनाव होने में अभी काफी वक्त है। वह 2027 में होगा।

विधानसभा 2027 और लोकसभा 2029 में। गुजरात में राहुल का दो दिन बिताना कई संकेत दे रहा है। पहला तो यह है कि अब कांग्रेस आखिरी लम्हों में काम शुरू करने की बजाय काफी पहले से काम शुरू करने की आदत डाल रही है जो सम्भवतरू अपनी पिछली गलतियों से मिली सीख है। गुजरात में शुक्रवार को उन्होंने नेताओं और पार्टी सदस्यों से मैराथन मुलाकातें कीं। फिर दूसरे दिन (शनिवार) कार्यकर्ताओं को जो सम्बोधन किया, वह बेहद महत्वपूर्ण है और उसका ताल्लुक केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। राहुल ने भीतरघात करने वाले कांग्रेसियों को साफ कर दिया कि श्वे भाजपा की बी–टीम बनकर काम करने की बजाय बाहर चले जायें।श राहुल या कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व सामान्यतरू जो नहीं कहता था या अब तक नहीं कहा था वह पहली बार उन्होंने साफ–साफ कह दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी हितों के खिलाफ काम करने वाले 10–20 ही नहीं 40 लोगों को भी निकालना पड़े तो उसके लिये संगठन तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि श्कांग्रेस के कार्यकर्ता बब्बर शेर हैं पर उन्हें बांधकर रखा गया है।श उनका इशारा उन पदाधिकारियों और नेताओं की ओर था जो या तो निष्क्रिय हैं अथवा अपनी बातों या कामों से प्रत्यक्ष–परोक्ष व सायास–अनायास भाजपा की मदद करते हैं।

सच यही है कि कांग्रेस अपनी अंदरूनी बीमारी से लम्बे समय से जूझ रही है जिसने उसे बाहरी आक्रमणों की बजाय कहीं अधिक नुकसान पहुंचाया है। ऐसे लोगों की लम्बी फेहरिस्त है जिनके कारण पार्टी को बड़ा नुकसान पहुंचा है। राजीव गांधी की मृत्यु के बाद से ही कांग्रेस की यह दिक्कत शुरू हो गयी थी। ऐसे वक्त में जब पूरी पार्टी को एकजुट होकर खड़े होना था, सोनिया गांधी के विदेशी मूल को लेकर पार्टी के तीन बड़े नेताओं– शरद पवार, पीए संगमा और तारिक अनवर ने अलग होकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बना ली जो एक व्यर्थ की कवायद साबित हुई क्योंकि बाद में डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व की दोनों यूनाइटेड प्रोग्रेसिव एलायंस सरकारों में एनसीपी शामिल हुई और अब वह प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया में है जिसका नेतृत्व कांग्रेस करती है। तारिक पार्टी में लौट आये जो अब कटिहार के सांसद हैं। जो नुकसान होना था, हो गया क्योंकि पार्टी टूटी थी तथा विदेशी मूल के भाजपायी विमर्श को प्रोत्साहन मिला था। कांग्रेस की पिछले तीन–साढ़े तीन दशकों की यात्रा में कई लोगों ने अपने बयानों से पार्टी को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। यहां उन लोगों की बात नहीं हो रही है जिन्होंने खुद या उनके पुरखों ने कांग्रेस से सब कुछ पाया– पद, रूतबा, सम्पन्नता, लेकिन जब मोदी–शाह की जांच एजेंसियों का डंडा चलने का खतरा नजर आया, उन्होंने सीधे भाजपा कार्यालय का रूख किया। इनमें असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्वा सरमा से लेकर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री व आदर्श हाउसिंग सोसायटी घोटाले के आरोपी अशोक चव्हाण जैसे हैं जो ईडी की पहली घुड़की में ही पार्टी छोड़ गये। पार्टी के भीतर ही जी–23 जैसा आंतरिक गुट बनाया गया।

कांग्रेस के पास जो बुद्धिजीवी हैं उनकी राजनीतिक समझ पर तरस ही खाया जा सकता है जो इस बात की तनिक भी सावधानी नहीं रखते कि उनके किस कहे–लिखे से दल को क्या नुकसान हो सकता है। जिस मणिशंकर अय्यर ने 2017 में मोदी के लिये अपमानजनक टिप्पणी कर लोकसभा (2019) में भाजपा को विक्टिम कार्ड खेलने का अवसर दिया था, अब राजीव गांधी की शैक्षिक योग्यता पर बयान देकर उन लोगों को परेशानी में डाल रहे हैं जो मोदी की डिग्री को लेकर सवाल करते रहे हैं। अय्यर वे शख्स हैं जिन्हें राजीव ने महत्वपूर्ण मंत्रालयों से नवाजा था। इसी पंक्ति में सलमान खुर्शीद जैसे लोग हैं जो अपनी उस किताब को चुनाव के ऐन पहले प्रकाशित कराते हैं जिसमें वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तुलना आतंकवादी संगठन से कर कई सीटें हाथ से निकल जाना सुनिश्चित करते हैं। जो व्यक्ति अध्यक्ष पद के लिये चुनाव लड़कर भी पार्टी में अपना महत्व, पद व दावा नहीं गंवाता– शशि थरूर– वे अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को ऐसे वक्त में अपनी भूमिका पूछते हैं जब कांग्रेस अपने वजूद की सबसे बड़ी लड़ाई लड़ रही है जिसमें युवा राहुल हजारों किलोमीटर की यात्रा कर रहे हैं तथा वयोवृद्ध खरगे रात–दिन पसीना बहा रहे हैं। भला कांग्रेस को बचाने के अलावा किसी की और क्या भूमिका हो सकती है? वैसे गुजरात के अपने इसी भाषण में राहुल ने कार्यकर्ताओं से जो आग्रह किया है वही सभी की भूमिका है– जनता के पास जायें, उनकी जरूरतों को समझें और उसके मुताबिक काम करें। जो न समझें उन्हें पार्टी बाहर का रास्ता दिखाये। इसी में संगठन की भलाई है। पार्टी के पुनर्गठन का भी सभी समर्पित नेताओं और कार्यकर्ताओं को इंतजार है।

हिंदू त्यौहार और साम्प्रदायिक राष्ट्रवादी राजनीति

जहां धार्मिक लोगों की दृष्टि में इस आयोजन की धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्ता बहुत अधिक है, वहीं इस बार इसे राजनैतिक रंग दे दिया गया। कुम्भ पहली बार नहीं हुआ है मगर इस बार यह हिंदुत्व एजेंडे को आगे बढ़ाने का अवसर बन गया। राज्य सरकार, जो भीड़ का ठीक से प्रबंधन नहीं कर सकी। संघ परिवार का हिंदू राष्ट्र का एजेंडा तरह–तरह के नैरेटिव्स को अलग–अलग तरह से बुनने और उन्हें अलग–अलग मंचों से प्रस्तुत करने पर आधारित है। संघ परिवार के लिए धार्मिक त्यौहार अपने एजेंडा को आगे बढ़ाने के अवसर होते हैं. वह देवी–देवताओं का इस्तेमाल भी अपने लिए लाभकारी सामाजिक–राजनैतिक सन्देश देने के लिए करता है।

हाल में समाप्त हुआ कुंभ मेला धार्मिक आयोजन की जगह राष्ट्रीय समारोह बन गया। इस बार के कुभ में एक नई बात यह थी कि संस्कृति एवं विकास के वाहक के रूप में कुम्भ की जबरदस्त मार्केटिंग की गयी। इस आयोजन को हिन्दू धर्म का दुनिया का सबसे बड़े आयोजन बताया गया। इतने बड़े आयोजन में श्रद्धालुओं के रहने, साफ–सफाई और परिवहन का इंतजाम करना तो सरकार की जिम्मेदारी होती है. लेकिन इस बार देखा गया कि सरकार इस आयोजन का मानों हिस्सा बन गयी। सत्ताधारी दल से जुड़े संगठनों जैसे विश्व हिंदू परिषद, धर्मसंसद और व्यक्तिगत तौर पर साधु–संतों आदि ने इस मेले का इस्तेमाल हिंदू राष्ट्रवादी एजेंडे के विभिन्न हिस्सों के प्रचार–प्रसार और मुसलमानों के प्रति नफरत फैलाने के लिए किया

जहां धार्मिक लोगों की दृष्टि में इस आयोजन की धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्ता बहुत अधिक है, वहीं इस बार इसे राजनैतिक रंग दे दिया गया। कुम्भ पहली बार नहीं हुआ है मगर इस बार यह हिंदुत्व एजेंडे को आगे बढ़ाने का अवसर बन गया। राज्य सरकार, जो भीड़ का ठीक से प्रबंधन नहीं कर सकी, काफी समय से भक्तों को बड़ी से बड़ी संख्या में कुंभ में आने के लिए निमंत्रित करने में जुटी हुई थी। इस निमंत्रण को जन–जन तक पहुंचाने में करोड़ों रूपये खर्च हुए होंगे। इस आयोजन में मुस्लिम व्यापारियों का बहिष्कार किया गया और उन्हें दुकानें आदि नहीं लगाने दी गईं। इसकी कई वजहें बताई गईं जिनमें से एक स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा फैलाया गया यह झूठ था कि मुसलमान खाद्य सामग्री पर थूकते हैं इसलिए उन्हें दूर रखा गय। ऐसे कई झूठे वीडियो सोशल मीडिया पर चल रहे थे। इसके ठीक विपरीत, मुसलमानों ने भगदड़ पीड़ितों के लिए मस्जिदों के दरवाजे खोल दिए और उनके खाने–पीने का इंतजाम किया। यहां यह जिक्र करना प्रासंगिक होगा कि मुगल शासकों द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कुम्भ क्षेत्र में कई घाटों और शौचालयों का निर्माण करवाया गया था। इतिहासकार हेरम्भ चतुर्वेदी के अनुसार अकबर ने कुंभ की व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए दो अधिकारियों को नियुक्त किया था।

पूरे मेला क्षेत्र में नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के होर्डिंग बड़ी संख्या में लगे हुए थे. काफी बड़ा इलाका मेले में आने वाले वीआईपी व्यक्तियों के लिए आरक्षित था, जिसकी वजह से कई बार भगदड़ के हालात बने जिनमें बहुत से लोग मारे गए. परिवहन व्यवस्था अच्छी और पर्याप्त नहीं थी। नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन पर मची भगदड़, जिसमें कई लोग मारे गए, से यह साफ है।

अभी–अभी मशहूर हुए एक बाबा धीरेन्द्र शास्त्री, जिन्हें नरेन्द्र मोदी अपना छोटा भाई कहते हैं, ने प्रसन्न भाव से कहा कि जो लोग भगदड़ में मारे गए उन्हें मोक्ष मिलेगा।

गंगा के पानी की गुणवत्ता बहुत ही नीचे स्तर तक गिर गई। नदी में ई–कोलाई और मल–मूत्र घुला हुआ था। पानी की गुणवत्ता और मौतों को लेकर की गई आलोचना का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सुअरों को गंदगी नजर आ रही है और गिद्ध लाशें गिन रहे हैं! विश्व हिंदू परिषद ने इस स्वर्णिम अवसर का उपयोग मार्गदर्शक मंडल की बैठकों के आयोजन लिए किया। इसमें दिए गए भाषणों में मुसलमानों के खिलाफ जमकर जहर उगला गया। मुस्लिम विरोधी प्रोपेगेंडा, जो आम तौर पर उनकी जनसंख्या में तेज वृद्धि, बांग्लादेश से घुसपैठ, गौरक्षा आदि से संबंधित रहता है, उसे इन बैठकों में बार–बार दुहराया गया। नफरत फैलाने में एक्सपर्ट वक्ताओं जैसे साध्वी ऋ तंभरा, प्रवीण तोगडिया और यति नरसिंहानंद सरस्वती ने मौके का पूरा–पूरा फायदा उठाया। उन्हें बड़ी संख्या में लोगों ने सुना। भाजपा ने अपने राजनैतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए साधुओं का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया और सरकारी खर्च पर प्रचार हासिल किया। ऐसे ही एक भगवाधारी ने काशी और मथुरा की मंदिर संबंधी मांगों को दुहराते हुए दावा किया कि ऐसे 1,860 मंदिरों की पहचान की गई है जिन्हें वापिस लिया जाना है। मदरसों को बंद करने और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों को गुरूकुल में बदलने की मांग भी उठाई गई ताकि भारत को हिन्दूमय बनाया जा सके।

सन् 2004 में प्रकाशित एक पुस्तक, जिसके लेखक इरफान इंजीनियर और नेहा दाभाड़े हैं, में यह बताया गया है कि कैसे धार्मिक आयोजनों का इस्तेमाल हिंसा भड़काने के लिए किया जाता है। हमारे उत्सव, धर्मों की सीमाओं के परे सामाजिक अवसर होते हैं। हालिया प्रवृत्ति यह हो गई है कि हिंदुओं के पर्वों पर जुलूस निकाले जाते हैं, जो मुस्लिम इलाकों से गुजरते हैं और इस दौरान मस्जिदों पर लहरा रहे हरे झंडों को हटाकर भगवा झंडे लगा दिए जाते हैं और नंगी तलवारें हाथ में लेकर नृत्य किया जाता है। इसके साथ ही मुसलमानों के प्रति नफरती नारे लगाए जाते हैं। इस पुस्तक में दोनों लेखकों ने बताया है कि 2022–2023 में रामनवमी के त्यौहार के दौरान यह खासतौर से किया गया। इस पुस्तक में हावड़ा, हुगली, संभाजी नगर, वडोदरा, बिहारशरीफ और सासाराम में सन् 2023 में और हिम्मत नगर, खंभात और लौहारदग्गा में 2022 में हुई हिंसा का विवरण दिया गया है। निष्कर्ष प्रस्तुत करते हुए इंजीनियर लिखते हैं, हिंदू राष्ट्रवादियों का एक छोटा सा समूह भी धार्मिक जुलूस होने का दावा करते हुए अल्पसंख्यकों की बस्तियों से जाने की जिद कर सकता है। राजनैतिक और गाली–गलौज भरे नारे लगाकर और हिंसक गाने और संगीत बजाकर वह कोशिश करता है कि वहां के निवासी युवक भड़क जाएं और उन पर एकाध पत्थर फेकें।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

पुरानी टीम में आधे भाजपा के-क्या इन्हीं के साथ अहमदाबाद अधिवेशन होगा

गुजरात के बाहर के कांग्रेसी नेता चिंतित नहीं हैं। उनका कहना है कि राहुल गांधी ने यह केवल गुजरात के लिए कहा है। हरियाणा के लिए नहीं, राजस्थान के लिए नहीं। जहां के कांग्रेसी नेताओं ने भाजपा से मिलकर जीते हुए विधानसभा चुनाव हरवा दिए। कांग्रेस मुख्यालय में दूसरे लोगों के लिए नहीं। क्या कांग्रेस ऐसे ही आधे संघियों को लेकर अहमदाबाद अपने पूर्ण अधिवेशन (प्लेनरी) में पहुंच जाएगी? अगले माह अप्रैल में होना है। 8 और 9 तारीख को उसी अहमदाबाद में जहां राहुल ने कहा कि पार्टी में पचास प्रतिशत लोग भाजपा के भरे पड़े हैं। इनके दिल में और खून में कांग्रेस नहीं है। ये कांग्रेस में रहकर भाजपा का काम कर रहे हैं। बहुत स्पष्ट भाषण था राहुल का। शनिवार 8 मार्च को अहमदाबाद में। कार्यकर्ताओं से बात करते हुए। कार्यकर्ता बहुत खुश हुए। दिल से तालियां पीटीं। जो बात वे हमेशा से कह रहे थे वह राहुल ने कह दी। एकदम साफ शब्दों में। कोई इसे हल्का नहीं कर सकता। दूसरा अर्थ नहीं निकाल सकता। गुजरात के बाहर के कांग्रेसी नेता चिंतित नहीं हैं। उनका कहना है कि राहुल गांधी ने यह केवल गुजरात के लिए कहा है। हरियाणा के लिए नहीं, राजस्थान के लिए नहीं। जहां के कांग्रेसी नेताओं ने भाजपा से मिलकर जीते हुए विधानसभा चुनाव हरवा दिए। कांग्रेस मुख्यालय में दूसरे लोगों के लिए नहीं जो कांग्रेस में बैठकर राहुल को गालियां देते हैं और मोदी की तारीफ करते हैं। गुजरात के बाहर के लोगों की बात सुनकर ऐसा लगता है कि उन्हें भाजपा के साथ मिले रहने की छूट है। राहुल एक काम करें कि कांग्रेस मुख्यालय में एक पोलिंग बूथ बनवा लें। तो उन्हें मालूम पड़ जाएगा कि जो आधे बीजेपी वाले कह रहे थे उससे बहुत ज्यादा हैं। कांग्रेस में संघ की यह घुसपैठ आज की नहीं है बहुत पहले से है। और उस समय स्वाभाविक थी। आजादी के आंदोलन का नेतृत्व करने वाली पार्टी थी। सब विचारों के लोग आते थे। ज्यादातर अंग्रेजों से लड़ने के लिए मगर कई कांग्रेस में घुसकर नेहरू–गांधी को कमजोर करने के लिए। अंग्रेजों को फायदा पहुंचाने के लिए। मगर नेहरू नियंत्रण रखते थे। सरदार पटेल ने आरएसएस पर पाबंदी लगाई। और कहा कि अगर आपके अंदर राष्ट्रप्रेम है तो कांग्रेस के साथ मिलकर काम कीजिए। बाद में इन्दिरा गांधी ने भी पहचाना और इन्हें अलग थलग करने के लिए अलग कांग्रेस ही बना दी। मगर उनके बाद पार्टी में विचार पूरी तरह खत्म हो गए। और दक्षिणपंथी, साम्प्रादायिक, दलित, पिछड़ा विरोधी लोग छा गए। अब राहुल ने पहली बार इतने साफ शब्दों में पार्टी की असली सूरत सबके सामने रख दी। और अब अगर खुद राहुल भी यह कहें कि उन्होंने सिर्फ गुजरात के नेताओं के लिए कहा था तो कोई यकीन नहीं करेगा। पार्टी और कमजोर हो जाएगी। राहुल भी डर से अपनी बात से पलट रहे हैं यह खराब मैसेज पार्टी कार्यकर्ताओं तक चला जाएगा। इसलिए अब राहुल के पास कोई रास्ता नहीं है। उन्हें पार्टी का पुनर्निर्माण करना ही होगा। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे यह बात पहले ही कह चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कब? खरगे को अध्यक्ष बने ढाई साल हो गए। मतलब नए नियमों के मुताबिक आधा कार्यकाल। अगर संशोधन नहीं होता पुरानी समयावधि रहती तो बिना संगठन में कुछ किए उनका कार्यकाल खत्म होने वाला होता। 2010 के संविधान संशोधन से पहले अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का ही होता था तो खरगे के लिए कुछ करना बहुत जरूरी है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उनके साथ हैं। फिर देर क्यों?

डिप्टी कमिश्नर काम के दबाव में 15वीं मंजिल से कूदे

नोएडा में पत्नी का दावा, बोलीं-अतिरिक्त चार्ज से परेशान थे, बास ने उनकी नहीं सुनी

नोएडा। नोएडा में GST विभाग के डिप्टी कमिश्नर संजय सिंह ने सोमवार 15वीं मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया। पुलिस ने दावा किया कि कैंसर की लास्ट स्टेज पर थे। इस वजह से डिप्रेशन में उन्होंने आकर सुसाइड किया। हालांकि, इन दावों को पत्नी ने खारिज कर दिया। पत्नी अपर्णा ने कहा– पति ने काम के दबाव में आकर सुसाइड किया। पति को कुछ दिन पहले विभाग में अतिरिक्त चार्ज मिला था। इसके बाद से वो परेशान चल रहे थे। सोमवार सुबह पति ने बॉस से अतिरिक्त चार्ज हटाने को कहा, लेकिन बॉस ने उनकी नहीं सुनी। इस बात को लेकर वो टेंशन में थे। इसके बाद उन्होंने जान दे दी।

चार साल से गाजियाबाद में तैनात थे

59 साल के संजय सिंह मूल रूप से मऊ जिले के रहने वाले थे। सेक्टर–75 के एपेक्स एथेना सोसाइटी में फ्लैट नंबर 2004 रहते थे। परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटे हैं। एक बेटा गुरुग्राम में नौकरी करता है, जबकि दूसरा ग्रेटर नोएडा की एक यूनिवर्सिटी से पढ़ाई कर रहा है। संजय सिंह 4 साल से गाजियाबाद GST विभाग में कार्यरत थे। वर्तमान में वह डिप्टी कमिश्नर सुप्रीम कोर्ट वर्क में तैनात थे। इसके साथ ही कुछ दिन से उनके पास उपायुक्त खंड–2 की भी अतिरिक्त जिम्मेदारी थी। अप्रैल 2026 में रिटायर होने वाले थे।

10 मार्च की सुबह करीब 11 बजे संजय सिंह ने अपार्टमेंट की 15वीं मंजिल से कूद गए। गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग वहां पहुंचे। फ्लैट में मौजूद पत्नी को बुलाया। फिर उनको तुरंत नजदीकी अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

यूपी के सभी 85,827 गांवों के लिए योगी सरकार लेकर आई नई नीति, लोगों को मिलेगा यह लाभ

लखनऊ। गांवों में स्थायी स्वच्छता मॉडल तैयार करने के लिए योगी सरकार नई नीति लेकर आई है। इसका उद्देश्य ग्राम पंचायतों में निर्मित स्वच्छता परिसंपत्तियों का प्रभावी संचालन और दीर्घकालिक रखरखाव सुनिश्चित करना है, जिससे स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के लक्ष्य को पूरी तरह से साकार किया जा सके। ग्राम पंचायत स्तर पर अपशिष्ट प्रबंधन को और प्रभावी बनाया जाएगा, जिससे स्वच्छता की व्यवस्था स्थायी बनी रहे।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, 15 वें केंद्रीय वित्त आयोग, राज्य वित्त आयोग एवं मनरेगा की धनराशि से अपशिष्ट प्रबंधन कार्य कर प्रदेश के सभी 96,174 गांवों को ओडीएफ प्लस घोषित किया गया है। इनमें से ओडीएफ प्लस की मॉडल श्रेणी में 85,827 गांव हैं।

सरकार ने तैयार कराया नई नीति का ड्राफ्ट

गांवों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक कचरा निस्तारण, फीकल स्लज प्रबंधन और गोबरधन परियोजना के तहत बायोगैस यूनिट निर्माण जैसी योजनाओं पर कार्य हो रहा है। व्यक्तिगत और सामुदायिक शौचालयों के निर्माण एवं रखरखाव को भी सुचारू करने पर फोकस किया जा रहा है। अब सरकार ने नई नीति का ड्राफ्ट तैयार कराया है। इस प्रयास से ग्रामीण स्वच्छता से जुड़े सभी कार्यों को मजबूती मिलेगी।

योगी सरकार ने गांवों में स्थायी स्वच्छता माडल तैयार करने के लिए नई नीति बनाई है। इसका उद्देश्य ग्राम पंचायतों में निर्मित स्वच्छता परिसंपत्तियों का प्रभावी संचालन और दीर्घकालिक रखरखाव सुनिश्चित करना है। इस नीति से ग्राम पंचायतें स्वच्छता प्रबंधन में आत्मनिर्भर बनेंगी और स्वच्छता को केवल एक अभियान नहीं बल्कि ग्राम पंचायतों की नियमित व्यवस्था का हिस्सा बनाया जाएगा।

सरकार के अनुसार नई नीति से ग्राम पंचायतें स्वच्छता प्रबंधन में आत्मनिर्भर बनेंगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी शौचालय, कचरा प्रबंधन केंद्र या जल निकासी प्रणाली अनुपयोगी न रहे। इसके अतिरिक्त गोबरधन योजना से स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

नई नीति के तहत स्वच्छता को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि ग्राम पंचायतों की नियमित व्यवस्था का हिस्सा बनाया जाएगा। इससे जीवन स्तर में सुधार होगा। ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की ठोस योजना से कई बीमारियों को रोका जा सकेगा। सरकार विभिन्न विकास संगठनों, तकनीक पार्टनर और सामाजिक संगठनों के सहयोग से इस नीति को प्रभावी ढंग से लागू करेगी।

थाना जेवर एयरपोर्ट की स्थापना को मंजूरी

गौतमबुद्धनगर में निर्माणाधीन जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में जल्द थाने की स्थापना होगी। शासन ने थाने की स्थापना के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की समुचित सुरक्षा व्यवस्था के लिए थाने की स्थापना का निर्णय किया गया है। एयरपोर्ट परिसर में एक हजार वर्ग मीटर में थाना बनेगा।

इस थाने की स्थापना के लिए नवीन थानों की स्थापना के लिए निर्धारित भूमि के मानक में छूट प्रदान की गई है। गृह विभाग ने इसका शासनादेश जारी कर दिया है।

गोरखपुर में तीन दिवसीय जू कीपर ट्रेनिंग सेशन

वन्यजीव प्रबंधन की मिली ट्रेनिंग, संरक्षण के नए तरीकों पर हुई चचा

गोरखपुर। गोरखपुर चिड़ियाघर और केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय जू कीपर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में उत्तर भारत के विभिन्न चिड़ियाघरों से आए जू कीपरों को वन्यजीवों के संरक्षण और प्रबंधन की बारीकियां सिखाई गईं।

वन्यजीवों की देखभाल और प्रबंधन पर दी गई विशेषज्ञ ट्रेनिंग

प्रशिक्षण के दौरान हाथी, गैंडा, दरियाई घोड़ा, बब्बर शेर, बाघ, तेंदुआ, मगरमच्छ, घड़ियाल, भालू और विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों व सरीसृपों के व्यवहार, देखभाल और प्रबंधन पर विशेषज्ञों ने गहराई से जानकारी दी।

समापन समारोह में इटावा सफारी पार्क के निदेशक डॉ. अनिल पटेल ने इस प्रशिक्षण की सराहना की और कहा कि गोरखपुर चिड़ियाघर द्वारा किया गया यह आयोजन बेहद प्रभावी रहा। उन्होंने विश्वास जताया कि यहां प्रशिक्षित जू कीपर अपने चिड़ियाघरों में वन्यजीव संरक्षण को नई दिशा देंगे।

गोरखपुर चिड़ियाघर भविष्य में भी जारी रखेगा ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्राणी उद्यान के निदेशक विकास यादव ने सभी प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों का आभार जताया। उप निदेशक व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने कहा कि गोरखपुर चिड़ियाघर भविष्य में भी इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रखेगा, ताकि वन्यजीव प्रबंधन और संरक्षण की प्रक्रिया अधिक प्रभावी हो सके।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय वन अधिकारी गौरव वर्मा, डॉ. रवि यादव, डॉ. दुर्गेश नंदन, उप क्षेत्रीय वन अधिकारी रोहित सिंह, अधिष्ठान प्राणी उद्यान जय सिंह, बायोलॉजिस्ट अक्षय बजाज, वन रक्षक शैलेश गुप्ता, नीरज सिंह, सुमित यादव समेत अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने अहम भूमिका निभाई।

मेडिकल कॉलेज में मुस्लिमों के लिए अलग विंग बनाने की मांग BJP विधायक केतकी बोलीं न जानें क्या थूककर दे दें

बलिया जनपद में मेडिकल कालेज के निर्माण के लिए बजट जारी होने के बाद उसका श्रेय लेने के लिए पार्टी के नेता खुद की पीठ थपथपा रहे हैं। इसी बीच बांसडीह विधायक केतकी सिंह ने हिंदुओं की सुरक्षा के लिए मेडिकल कश्लेज में मुस्लिमो की एंट्री बैन करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करती हूं कि मुसलमानों के लिए मेडिकल कालेज में अलग विंग, अलग बिल्डिंग बना दिया जाए। जिससे हिंदू सुरक्षित रह सकें।

'मेरी पत्नी का तुम दोनों से अफेयर' नशे में पति की ये बात सुन भड़क गया शिखा का आशिक

उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। अलापुर थाना इलाके के चितौरा निवासी ईंट भट्टा मजदूर की हत्या के मामले का खुलासा हो गया है। अलापुर पुलिस ने सोमवार को उसकी पत्नी समेत तीन हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए चलेंगी 350 स्पेशल ट्रेनें

UP के मंत्री का बयान, 'हिजाब पहनें मुस्लिम मर्द, रंग से बची रहेगी टोपी'

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रघुराज सिंह ने होली को लेकर विवादित बयान दिया है. योगी सरकार में श्रम एवं सेवायोजना विभाग के दर्जा प्राप्त मंत्री रघुराज सिंह ने कहा कि होली में जिसको रंग से बचना है वह त्रिपाल का हिजाब पहने जैसे मुस्लिम महिलाएं पहनती हैं वैसे पुरुष भी पहनें ताकि उनकी टोपी और शरीर बचा रहे अन्यथा वह घर पर रहें।

बदल रहा गोरखपुर- होली बाद शहर को मिलेगी 3 सौगात

योगी करेंगे लोकार्पण- मिलेंगी परियोजनाओं की सौगात

गोरखपुर। नगर निगम क्षेत्र में एबीसी सेंटर, सीनियर सिटीजन सेंटर और गार्बेज स्टेशन बनकर तैयार है। नगर निगम की तरफ से सीएम योगी से उसका लोकार्पण कराने की तैयारी है।शहरवासियों को होली के बाद तीन बड़ी परियोजनाओं की सौगात मिलेगी। सीनियर सिटीजन डे केयर सेंटर, एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर और गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन बनकर तैयार है। सीएम योगी जल्द इनका लोकार्पण कर सकते हैं।

राज्य स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत गोरखपुर क्लब के सामने गोरखपुर नगर निगम का अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त वातानुकूलित नगरीय सेवा केंद्र बन कर तैयार हो गया है। यहां 2.49 करोड़ से सीनियर सिटीजन डे केयर सेंटर का निर्माण किया गया है। यहां वरिष्ठ नागरिकों को दिनभर के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और सामाजिक माहौल मिलेगा। सेंटर बुजुर्गों को विधिक सलाह, मनोरंजन, योग, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य गतिविधियों के लिए उपलब्ध होगी, ताकि वे अकेलापन महसूस न करें और सक्रिय रह सकें। 20 दिसंबर 2023 में इसका निर्माण शुरू हुआ था, जो अब पूरा हो गया है। पास में ही जोनल कार्यालय तीन बना है। यहां इस जोन के तहत आने वाले वार्डों के नागरिकों के जन्म–मृत्यु प्रमाणपत्र, सड़क, पेजयल, सीवर, संपत्तिकर संबंधी समस्याओं का समाधान, नगर निगम की सभी सुविधाओं, योजनाओं की जानकारी प्रशिक्षित कर्मचारियों के जरिये उपलब्ध कराई जाएगी। यहां निगम के कार्यों की सूचना और सुविधा की जानकारी देने वाला काउंटर भी होगा।

एबीसी सेंटर भी तैयार

गुलरिहा के अमवा में करीब 2.55 करोड़ रुपये की लागत से एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर (एबीसी) बनाया गया है। यह बनकर तैयार भी हो चुका है। संचालन की जिम्मेदारी चौरिटेबल वेलफेयर सोसाइटी फॉर ह्यूमन काइंड एंड एनिमल को मिली है। यहां प्रतिदिन 41 कुत्तों की नसबंदी की योजना है। साथ ही यहां 30 कुत्ते रखे जाएंगे। इनके बेहतर ढंग से संचालन के लिए पशु कल्याण अधिकारी डॉ. रॉबिन चंद्रा शनिवार लखनऊ गाजियाबाद में एबीसी सेंटर की कार्यप्रणाली को समझने गए हैं।

गारबेज ट्रांसफर स्टेशन का निर्माण पूरा

चरगांवा में बने गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इस स्टेशन के शुरू हो जाने के बाद शहर के सभी वार्डों का कूड़ा घरों से एकत्रित कर कूड़ा पड़ाव घर पर न ले जाकर सीधे गारबेज स्टेशन पर ले जाया जाएगा। वर्तमान में लालडिग्गी पार्क क्षेत्र स्थित बसंतपुर में गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन संचालित हो रहा है। यहां शहर के करीब 30 वार्डों का कूड़ा पहुंचता है। वहां उसे तौलने के बाद कंप्रेस मशीन की मदद से 15–15 टन के कैप्सूल के रूप में तैयार किया जाता है। फिर ट्रामल प्लांट में कूड़े का निस्तारण किया जाता है। गोरखपुर क्लब के सामने नगरीय सेवा केंद्र, गुलरिहा में एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर और चरगांवा में गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन बनकर तैयार है। जल्द ही सीएम योगी आदित्यनाथ के हाथों इनका लोकार्पण कराया जाएगा।

गौरव सिंह सोगरवाल, नगर आयुक्त

एक थप्पड़ के बदले ले ली जान..

कुल्हाड़ी से मारकर मजदूर की कर दी हत्या- गिरफ्तार

मृतक की फाइल फोटो -

गोरखपुर। राजघाट थानाक्षेत्र में एक दिन पहले मजदूर का किसी से विवाद हो गया था। इस दौरान मजदूर ने दुसरे युवक को थप्पड़ मार दिया था। थप्पड़ से आहत युवक ने एक दिन बाद मजदूर की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

गोरखपुर राजघाट इलाके में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। किराए के मकान में रहने वाले एक मजदूर की सिकरीगंज के रमेश निषाद ने कुल्हाड़ी से मारकर उसकी हत्या कर दी। रमेश, सिकरीगंज का रहने वाला है।

बताया जा रहा है कि मृतक मजदूर विजय अग्रहरि ने एक दिन पहले रमेश को किसी बात से नाराज होकर थप्पड़ मार दिया था। इसी थप्पड़ का बदला लेने के लिए अगले दिन रमेश ने विजय की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी रमेश को गिरफ्तार कर लिया है।

पेट, सीना और गर्दन से पैर तक जख्म

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, पुरानी दुश्मनी में किया सत्यम कत्ल

गोरखपुर। गोरखपुर के गोला के खिरखिटा दुबे गांव में सत्यम हत्याकांड को पुरानी रंजिश में अंजाम दिया गया। दो साल पहले रामलीला के मेले में विवाद हुआ था। तीन बार मारपीट हुई थी। पुलिस चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। गोरखपुर के गोला के खिरखिटा दुबे गांव के सत्यम कुमार की हत्या पुरानी दुश्मनी में की गई है। चार आरोपियों को पकड़कर पुलिस पूछताछ कर रही है। इनसे कई अहम जानकारियां मिली हैं। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल किया गया धारदार हथियार भी बरामद कर लिया है। बहुत जल्द सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर गोला पुलिस घटना का पर्दाफाश करने का दावा कर रही है। पुलिस को शव का दाह संस्कार करवाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। परिजनों ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को आठ सूत्री मांग पत्र दिया है। इसमें पचास लाख रुपया सरकारी मदद, घर के सदस्य को सरकारी नौकरी, आरोपियों की गिरफ्तारी व फांसी, गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई कर संपत्ति की कुर्की, पीड़ित परिवार की सुरक्षा, शस्त्र लाइसेंस, थानाध्यक्ष के निलंबन आदि की मांग शामिल है। सीओ मनोज पांडेय ने बताया कि डीएम ने एसडीएम को मृतक के परिजनों को गांव की खाली जमीन पर पट्टा करने व आवास दिलाने का निर्देश दिया है। दूसरी ओर एसएसपी के आदेश पर एसओजी व क्राइम ब्रांच की टीम लगातार आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

सत्यम के पेट, गर्दन, सीना और पैर पर चाकू के 12 चोट के निशान

पोस्टमार्टम में सत्यम के पेट, गर्दन, सीना और पैर पर चाकू के 12 चोट के निशान मिले हैं। सूत्रों का कहना है कि आरोपियों ने घटना की बात कबूली है। निशानदेही पर पैर काटने में प्रयुक्त हेक्साब्लेड, ब्लड को छिपाने के लिए इस्तेमाल किया गया फावड़ा, चाकू व खून से सना कपड़ा भी बरामद कर लिया गया है।

कई दल के नेताओं का लगा जमाजमावड़ा

खिरखिटा दुबे गांव में रविवार को पूरे दिन कई दल के नेताओं का जमावड़ा लगा रहा। बसपा, भीम आर्मी और सपा के कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ लगी रही। अपराह्न तीन बजे शव पहुंचते ही परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे और हत्यारों के फांसी की मांग की। इस दौरान उन लोगों को संभालना पुलिस के लिए मुश्किल हो रहा था। बसपा के जिलाध्यक्ष ऋषि कपूर कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने एसपी साउथ से बात कर और परिवार का मांग पत्र दिलवाया। थोड़ी देर बाद सपा के जिलाध्यक्ष बृजेश गौतम भी कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे। उसके बाद काफी देर तक मान–मनोव्वल चलती रही। शाम करीब 05रू40 बजे शव यात्रा निकली तो सैकड़ों लोगों की भीड़ सड़क पर नजर आई।

आरोपियों के गांव में सन्नाटा, डटी रही पुलिस फोर्स

सत्यम के गांव के बगल में ही आरोपियों के गांव खिरकिटा दीगर उर्फ मटियरिया में रविवार को दिनभर सन्नाटा पसरा रहा। खिरकिटा दुबे गांव की भीड़ देखकर आरोपियों के गांव खिरकिटा दीगर में लोग घरों में ही रहे। वहां आरोपियों के घर पर भी पुलिस फोर्स और पीएसी के जवान तैनात रहे। इस घटना के बाद गांव के अधिकतर पुरुष घर छोड़कर कहीं और चले गए। गांव में महिलाएं मौजूद रहीं, वह भी अपने घरों के अंदर ही रहीं।

नहीं टूटी परंपरा, विरोध के बाद झुका प्रशासन

पूर्व महंत आवास से धूमधाम से उठी मां गौरा के गौना की पालकी

संवाददाता, वाराणसी। जगह–जगह से उठते विरोध के स्वरों के बीच प्रशासन को अंततरू झुकना पड़ा। देर रात हुई बैठक के बाद प्रातः काल आठ बजे ही पूर्व महंत आवास से मां गौरा की गौना की पालकी धूमधाम से ढोल नगाड़ों, डमरूवादन व शखध्वनि के बीच पूजन–अर्चन के बाद निकली और मंदिर परिसर पहुंची। इसमें उल्लासपूर्वक सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और मां गौरा तथा महादेव के चरणों में तिलक लगाकर होली खेलने की अनुमति ली। इसके बाद पूरी काशी होलियाना वातावरण में डूब गई। मंदिर परिसर में वहां दोपहर बाद सभी लोकाचारों के बाद पालकी को गर्भगृह में ले जाकर विग्रहों को स्थापित किया जाएगा। पूजन–अर्चन के पश्चात विग्रह वापस पूर्व महंत आवास ले जाए जाएंगे।

300 साल पुरानी है परंपरा

पूर्व महंत डॉ. कुलपति तिवारी के आवास से रंगभरी एकादशी पर मां गौरा व बाबा विश्वनाथ की चल रजत प्रतिमाओं की शोभायात्रा बाबा के गौना की बरात के रूप में निकाले जाने की 300 वर्ष प्राचीन परंपरा रही है। पूर्व महंत के निधन के पश्चात पारिवारिक विवाद में दावों–प्रतिदावों को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने किसी बाहरी विग्रह की शोभायात्रा मंदिर परिसर में लाने पर रोक लगा दी। इधर, पूर्व महंत आवास पर सभी तैयारियां व लोकाचार पूर्ववत चलते रहे। मंदिर परिसर में एक नए विग्रह के साथ समानांतर लोकाचार आरंभ हुए। पूर्व महंत परिवार को शोभायात्रा जैसा कोई भी आयोजन न करने की चेतावनी देते हुए प्रशासन ने नोटिस जारी कर दी।

परंपरा भंग होने की जानने के बाद विरोध होने लगा

इसे परंपरा का भंग होना मान जगह–जगह से विरोध के स्वर उठने लगे। प्रदेश कांग्रेस अजय राव व सपा नेताओं ने इसे काशी की परंपराओं कके विरुद्ध मानते हुए विरोध करने की हुंकार भरी।

दबाव में आकर प्रशासन को झुकना पड़ा

दबाव में आए प्रशासन ने आधी रात के बाद बैठक कर पूर्व महंत आवास से आने वाले विग्रह से ही आगे के लोकाचार निभाने का निर्णय लिया, लेकिन दोपहर बाद निकलने वाली शोभायात्रा को अति प्रातरू ही पूर्व महंत आवास से निकलवा लिया गया। जयकारों के साथ भक्त मंदिर पहुंचे। इधर प्रतिमाओं को ढक कर ले जाने को कांग्रेस अध्यक्ष ने काशी की भावनाओं का अपमान बताया।

होली से पहले योगी कैबिनेट ने दिए कई तोहफे, बलिया में मेडिकल कालेज समेत 19 फैसलों को मंजूरी, सैफई को भी किया खुश

यूपी कैबिनेट का बड़ा फैसला

10 हजार से 25 हजार रुपये के मूल्य वाले स्टांप पत्र अवैध करार, होंगे चलन से बाहर

होली से पहले उत्तर प्रदेश की योगी कैबिनेट ने 19 अहम फैसलों को मंजूरी दी है। बलिया में मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए निशुल्क भूमि का हस्तांतरण किया गया है। स्वतंत्रता सेनानी चित्तू पांडे के नाम पर मेडिकल कॉलेज का नामकरण होगा। बुलंदशहर में नर्सिंग कॉलेज का निर्माण होगा। राष्ट्रीय कृषि विद्यालय की भूमि को चिकित्सा शिक्षा विभाग को हस्तांतरित किया जाएगा।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। बैठक के बाद वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने फैसलों की जानकारी दी। यूपी में अब 10 हजार रुपये से लेकर 25 हजार रुपये तक के स्टांप वैध नहीं माने जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। इसके बाद अब 10 हजार से लेकर 25 हजार रुपये तक के स्टांप पत्र चलन से बाहर हो जाएंगे। हालांकि, अधिसूचना जारी होने से पहले खरीदे गए पत्र 31 मार्च तक वापस किए जा सकेंगे या फिर प्रयोग किए जा सकेंगे।

बैठक में कई और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

– बैठक में बलिया में मेडिकल कालेज की स्थापना के लिए भूमि का निशुल्क हस्तांकरण करने की सहमति दी।

– स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, बुलंदशहर में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना के लिए राजकीय कृषि विद्यालय के नाम दर्ज भूमि को चिकित्सा शिक्षा विभाग के पक्ष में निशुल्क हस्तांतरण की सहमति दी।

– सैफई में आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में 300 बेड के गायनी ब्लॉक के निर्माण के लिए वित्तीय स्वीकृति देने पर सहमति बन गई।

– डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड के अंतर्गत लखनऊ में डीटीआईएस की स्थापना के लिए एसपीपी को 0.8 हेक्टेअर भूमि दिए जाने का फैसला हुआ।

– टैक्सफेड समूह के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सहकारी कताई मिल्स संघ लिमिटेड, कानपुर की बंद पड़ी कताई मिलों की भूमि के औद्योगिक प्रयोग के लिए यूपीसीडा को निशुल्क हस्तांतरण करने का निर्णय लिया गया।

– हरदोई की तहसील सदर परगना गोपामऊ के ग्राम दही में महर्षि दधीचि कुंड के आसपास पर्यटन विकास के लिए बंजर श्रेणी की शासकीय भूमि को निशुल्क हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया।

– बैठक में रबी विपणन वर्ष 2025–26 के लिए मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत गेहूं क्रय नीति को मंजूरी दी गई।

– उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन लिमिटेड की आगरा मेट्रो रेल परियोजना के प्रथम व द्वितीय कॉरिडोर के मेट्रो डिपो के लिए गृहविभाग की भूमि के अवास एवं शहरी नियोजन विभाग के पक्ष में निशुल्क हस्तांतरण को सहमति प्रदान की गई।

अयोध्या में सुहागरात पर पत्नी को मारकर फंदे पर लटका

पत्नी पर शक था, अपने दूसरे नंबर से खुद को मैसज कर उससे सच जानना चाहता था

अयोध्या। सुहागरात पर पति–पत्नी की लाश मिली। पहले इसे सुसाइड समझा जा रहा था, लेकिन ये सुसाइड नहीं, बल्कि हत्या के बाद सुसाइड है। पति ने पहले पत्नी की गला दबाकर हत्या की, फिर खुद फांसी लगा ली। ये खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हुआ है।

शैलेंद्र सिंह के मुताबिक– प्रदीप के मोबाइल में एक मैसेज मिला है, जो उसने खुद अपने दूसरे नंबर से किया था। आशंका है कि मैसेज के माध्यम से वह पत्नी शिवानी से उसके पुराने रिलेशनशिप को जानने की कोशिश कर रहा था। शिवानी अपने मायके से मोबाइल नहीं लाई थीं।

प्रदीप को शक था कि पत्नी का कोई पुराना रिलेशन है। इसलिए, उसने चेक करने के लिए शिवानी से जुड़ा मैसेज दूसरे नंबर से अपने मोबाइल पर किया था। अभी तक की जांच में माना जा रहा है कि इसी को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। मामला इतना बढ़ गया कि प्रदीप ने पत्नी की हत्या कर दी। फिर खुद सुसाइड कर लिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी दुल्हन के गले पर चोट के निशान मिले हैं। ये निशान नाखूनों के हैं।

तनिष्क के शोरूम में फिल्मी स्टाइल में लूट

आभूषण समेत 25 करोड़ पर मारा हाथ, स्टाफ-ग्राहकों के मोबाइल भी ले गए

आरा । शोरूम के स्टोर मैनेजर ने बताया कि अपराधी अंदर आते ही स्टाफ और ग्राहकों को बंधक बना लिया। सबके मोबाइल फोन छीन लिए गए और फिर एक–एक कर सभी स्टॉल से ज्वेलरी लूट ली गई। जो कुछ भी शोरूम में मौजूद था, अपराधी अपने साथ लेकर फरार हो गए।

भोजपुर जिले के आरा शहर में सोमवार को दिल दहला देने वाली लूट की वारदात सामने आई है। शहर के बीचोबीच स्थित तनिष्क ज्वेलरी शोरूम में दिनदहाड़े आठ से नौ की संख्या में आए हथियारबंद अपराधियों ने पूरी दुकान को लूट लिया। करीब 30 मिनट तक शोरूम के अंदर आतंक मचाते हुए लुटेरे एक–एक स्टॉल से ज्वेलरी समेटते रहे, लेकिन महज 600 मीटर दूर मौजूद नगर थाना पुलिस घटनास्थल तक नहीं पहुंच सकी। यह घटना न सिर्फ भोजपुर पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करती है, बल्कि शहर में सुरक्षा व्यवस्था की पोल भी खोल देती है।

लुटेरों ने किया शोरूम पर कब्जा

जानकारी के मुताबिक, घटना नगर थाना क्षेत्र के गोपाली चौक स्थित तनिष्क शोरूम की है। चश्मदीदों के अनुसार, सुबह करीब 10:30 बजे दो–दो की संख्या में अपराधी शोरूम के भीतर प्रवेश करते गए। जैसे ही सभी अंदर इकट्ठा हो गए, उन्होंने अपने चेहरे पर मास्क पहन हथियार निकाल लिए और पूरे स्टाफ को कब्जे में ले लिया। इसके बाद स्टॉल–दर–स्टॉल कीमती ज्वेलरी को बड़े बैगों में भरना शुरू कर दिया।

पुलिस को काल करते रहे लेकिन नहीं मिली मदद

शोरूम में काम करने वाली सेल्स गर्ल सिमरन ने बताया कि जैसे ही अपराधी अंदर आए, उन्हें शक हो गया कि कुछ गड़बड़ है। उन्होंने छिपकर डायल 112 पर कॉल किया। एक बार कॉल रिसीव भी हुआ और बताया गया कि पुलिस गाड़ी आ रही है, लेकिन आधे घंटे तक कोई पुलिस नहीं पहुंची। सिमरन ने बताया कि उन्होंने करीब 25 से 30 बार कॉल किया, लेकिन किसी कॉल का जवाब नहीं मिला और लुटेरे लूटपाट कर आराम से निकल गए।

छह हत्याएं करने के बाद ही शादी, असद गैंग में सदस्य बनने के लिए पूरी करनी होती हैं ये शर्तें

आगरा। मुठभेड़ में ढेर हुआ असद उर्फ फाती नाम और वेश बदलने में माहिर था। छैमार गिरोह में परंपरा है कि जब तक गैंग का सदस्य छह लोगों की हत्या नहीं करता तब तक उसका विवाह नहीं होता है। इतना ही नहीं गिरोह का सक्रिय सदस्य बनने के लिए भी यही शर्त रहती है। मथुरा पुलिस मुठभेड़ में ढेर हुआ असद उर्फ फाती और उसके साथी जिले में बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए ठहरे हुए थे। वह अपने मकसद में कामयाब होते इससे पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ गए। अब पुलिस उसके भागे साथियों की गिरफ्तारी में दबिश देने में जुटी हुई है। थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार शाही ने बताया कि छैमार गिरोह क्षेत्र में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए ठहरे हुए थे। वारदात स्थल के आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि फाती के साथियों की पहचान हो सके।

वृंदावन में राधा–कृष्ण ने भक्तों पर बरसाए रंग

राधाबल्लभ मंदिर से भगवान का डोला निकला
ब्रज में 15 लाख श्रद्धालु उड़ा रहे रंग–गुलाल

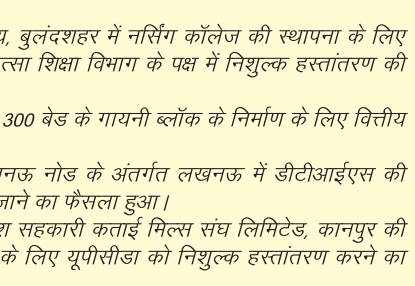

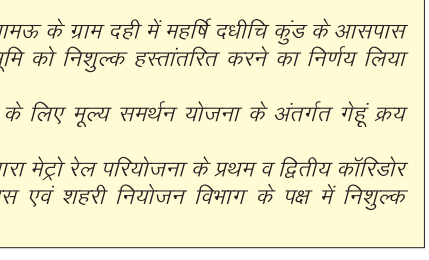

मथुरा। ब्रज में रंगभरनी एकादशी से गीले रंगों की होली शुरू हो गई है। वृंदावन में राधाबल्लभ मंदिर से भगवान राधा कृष्ण का डोला निकला। बग्गी पर विराजमान होकर भगवान राधा कृष्ण के स्वरूप शहर में होली खेलने निकले। इस दौरान राधा कृष्ण ने जमकर रंग–गुलाल रास्तेभर उड़ाया।

बांके बिहारी जी चांदी के सिंहासन पर बैठकर भक्तों पर सोने की पिचकारी से रंग बरसा रहे हैं। श्री कृष्ण जन्मस्थान पर सतरंगी होली देखने को मिली। यहां लड्डू, जलेबी, लट्ठमार और रंग–गुलाल से होली खेली गई। ब्रज नगरी में 15 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे हैं।

वाराणसी के मणिकर्णिका घाट में 'भस्म राख' से खेली गई मसान होली

'मॉरीशस की मिट्टी में हमारे पुरखों का खून-पसीना, यहां है भारत की खुशबू'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मॉरीशस के पोर्ट लुईस में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि जब 10 साल पहले मैं मॉरीशस आया था, उस साल होली एक हफ्ते पहले बीत चुकी थी. तब मैं भारत से भगवा की उमंग अपने साथ लेकर आया था. इस बार मॉरीशस से होली के रंग अपने साथ लेकर भारत जाऊंगा. मैं जब भी यहां आता हूं तो ऐसा लगता है अपनों के बीच ही तो आया हूं. यहां की मिट्टी, हवा और पानी में अपनेपन का एहसास है. यहां भारत की खुशबू है. यहां की मिट्टी में हमारे पुरखों का खून–पसीना मिला हुआ है. हम सब एक परिवार ही तो हैं।

मॉरीशस ने PM नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा

मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन देने की घोषणा की है. प्रधानमंत्री मोदी यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय हैं. यह किसी देश द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को दिया जाने वाला 21वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है।

संभल की जामा मस्जिद में रंगाई–पुताई की इजाजत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल जामा मस्जिद के मामले में फैसला सुनाते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) को मस्जिद की रंगाई पुताई और लाइटिंग कराने का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल की जामा मस्जिद की रंगाई पुताई व लाइटिंग का एएसआई को आदेश दिया है। रमजान के मौके पर जामा मस्जिद की सफेदी और लाइटिंग की हाईकोर्ट ने अनुमति दी है। एएसआई को एक सप्ताह की मोहलत दी है। संभल जामा मस्जिद की रंगाई–पुताई की मांग को लेकर दाखिल अर्जी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने सुनवाई को 12 मार्च के लिए टाल दिया था।

दरोगा को कोतवाली से घसीटकर ले गई एंटी करप्शन टीम

उन्नाव में कालर पकड़ कार में ठूंसा चिल्लाता रहा– मैंने रिश्वत नहीं ली...

उन्नाव। उन्नाव में दरोगा को एंटी करप्शन टीम कोतवाली से खींचकर ले गई। मंगलवार शाम को टीम ने दरोगा को 5 हजार की रिश्वत लेते पकड़ लिया, लेकिन दरोगा रौब दिखाने लगा। टीम के साथ जाने को तैयार नहीं हुआ और भागने की कोशिश करने लगा, इस पर टीम ने उसे दबोच लिया।

दरोगा खुद को छुड़ाने के लिए हाथ–पैर मारता रहा, टीम उसे घसीटते हुए 50 मीटर दूर कार तक ले गई, लेकिन वह कार में नहीं बैठ रहा था। टीम ने कॉलर पकड़कर कार में ठूंस दिया और लखनऊ लेकर रवाना हो गई।

पूरा मामला पुरवा कोतवाली का है। फिलहाल, एसपी दीपक भूकर ने आरोपी दरोगा राजेंद्र पासवान को सस्पेंड कर दिया।

5 महीने पहले दीवान से प्रमोट होकर बना था दरोगा

नवंबर, 2024 में राजेंद्र पासवान दीवान से प्रमोट होकर दरोगा बना था। वह 2024 में हुए एक एक्सीडेंट के मामले में जांच अधिकारी था। उसने आरोपी का नाम केस से हटाने के लिए 5 हजार रुपए घूस की डिमांड की थी। आरोपी ने यह बात लखनऊ एंटी करप्शन टीम को दे दी। इसके बाद एसीबी टीम ने दरोगा को रंगे हाथ पकड़ने का प्लान बनाया।

मेरठ से लखनऊ पहुंची महिला के पास मिले पांच पाकिस्तान मेड पिस्टल

डेढ़ लाख की नकदी भी मिली एसटीएफ को सौंपा

लखनऊ। लखनऊ केसरबाग बस स्टेशन पर एक महिला पांच पाकिस्तान मेड पिस्टल के साथ पकड़ी गई। उसे महिला एसटीएफ के हवाले कर दिया गया। लखनऊ के केसरबाग बस स्टेशन पर सुबह नौ बजे एक संदिग्ध महिला पांच पाकिस्तान मेड पिस्टल के साथ गिरफ्तार की गई। संदेह होने पर पुलिस ने उसे चेक किया तो उसके पास से पांच पिस्टल के साथ डेढ़ लाख कैश मिला। यह महिला मेरठ से आई हुई थी। यूपी रोडवेज की बस संख्या यूपी 78 जेटी 4162 से कैसरबाग बस अड्डे पहुंची थी। यह बस मेरठ से आई हुई थी। मामले की जानकारी मिलते ही एसटीएफ को बुलाया गया। महिला एसटीएफ की टीम उसे अपने साथ ले गई। खबर लिखे जाने तक उससे पूछताछ जारी है।

शाहजहांपुर में होली पर बरसेंगे सौहार्द के फूल, मुस्लिम समाज के लोग करेंगे लाट साहब का स्वागत

संवाददाता,शाहजहांपुर । होली पर निकलने वाले लाट साहब के जुलूस का स्वागत मुस्लिम समाज के लोग करेंगे। किला मोहल्ले में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में समाज के लोगों ने ये वादा किया। शाहजहांपुर में होली पर निकलने वाले लाट साहब के जुलूस में मुस्लिम बहुल क्षेत्र किला में सौहार्द के फूल बरसेंगे।

यहां के मुस्लिम समाज के लोगों ने अधिकारियों के सामने लाट साहब पर फूल बरसाकर एकता की मिसाल कायम करने का वादा किया। स्पष्ट किया कि सौहार्द पर आंच नहीं आने देंगे। इस बार जुमे की नमाज और होली एक साथ होने के कारण पुलिस और प्रशासन चिंतित है। त्योहार को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुलिस काफी मशक्कत कर रही है। शहर में होली पर लाट साहब का जुलूस किला क्षेत्र से होकर निकलता है। यहां पर मुस्लिम बहुल इलाका होने के चलते खतरा बना रहता है। इसी के चलते गत वर्ष की तरह किला मोहल्ला के निवासी मेहंदी हसन खान के प्रयास से मंगलवार को पीस कमेटी की बैठक हुई। इसमें मुस्लिम समाज के लोग भी जुटे। अतिथि के तौर पर एसपी राजेश एस., एडीएम प्रशासन संजय कुमार पांडेय उपस्थित रहे। जुलूस कमेटी के पदाधिकारी और गणमान्य लोगों ने मंथन किया।

हिंदू समुदाय के लोगों ने मोहल्ला मेहमान शाह में स्थित हजरत मेहमान शाह का नाम लेकर आस्था जताई तो मुस्लिम समाज ने भी लाट साहब पर फूल बरसाने की बात कही। मेहंदी हसन खां ने कहा कि किले से हर साल लाट साहब के जुलूस का स्वागत होता है। हमारे बीच में किसी तरह के गिले–शिकवे नहीं हैं। सभी लोग एक–दूसरे के त्योहार पर हंसी–खुशी शामिल होते हैं। एसपी राजेश एस. ने कहा कि सभी धर्मों के लोग आपसी सद्भाव के साथ रहे। बैठक में एसपी सिटी संजय कुमार, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार, सीओ सिटी पंकज पंत, जुलूस के आयोजक संजय वर्मा, हरनाम कटियार आदि मौजूद रहे।

गड़ासा–कुल्हाड़ी से मां–बेटे को काट डाला

इसलिए महिला ने अपने दो बेटों के साथ की दोनों की हत्या

कौशांबी। यूपी के कौशांबी जिले में गड़ासा और कुल्हाड़ी से काटकर मां–बेटे की हत्या कर दी गई। मां और दो बेटों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में थानाध्यक्ष समेत तीन निलंबित कर दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। चायल के काजू गांव में सोमवार की रात घर में घुसकर गड़ासा और कुल्हाड़ी से मां–बेटे की हत्या कर दी गई। वारदात की वजह प्रेम प्रसंग बताई जा रही है। मामले तीन लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना स्थल का निरीक्षण करने आईजी प्रेम गौतम भी पहुंचे। थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिसकर्मी निलंबित किए गए हैं।

कुछ दिन पहले ही मुंबई से आया था सरबजीत

काजू निवासी संगम लाल दिवाकर मुंबई में टैक्सी ड्राइवर हैं। बड़ा बेटा सरबजीत उर्फ कल्लू भी पिता के साथ रहकर फर्नीचर का काम करता था। माह भर पहले वह घर आया था। पुलिस सूत्रों मुताबिक, रविवार शाम गांव के ही संतोष सरोज के घर में कोई नहीं था तो संगम लाल का छोटा बेटा आशीष उर्फ सत्यजीत उसकी बेटी से मिलने गया था।

महिला ने की शिकायत, पुलिस ने न सुनी

कुछ देर बाद संतोष की पत्नी शांति को आता देख वह भाग निकला। उसकी चप्पल वहीं छूट गई। दूसरे दिन सुबह आशीष अपने बड़े भाई सरबजीत (22) के साथ चप्पल लेने संतोष के घर पहुंचा। शांति ने चप्पल देने से इनकार करते हुए उलाहना दिया।

इसे लेकर दोनों पक्ष में मारपीट भी हुई। शांति ने मामले की शिकायत पुलिस से की, लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर शांति और उसके दोनों बेटे गुस्से में थे।

कुल्हाड़ी और गड़ासा से मां–बेटे को काट डाला

रात करीब नौ बजे बड़ा बेटा शनि कुल्हाड़ी लेकर संगम लाल के घर पहुंचा और दरवाजा पीटने लगा। पीछे से शांति और उसका छोटा बेटा भी गड़ासा लेकर पहुंच गए। सरबजीत ने जैसे ही दरवाजा खोला। तीनों ने उस पर हमला बोल दिया। बचाने पहुंची सरबजीत की मां संगीता (45) पर भी प्रहार किए।

हमला कर फरार हो गए आरोपी

ग्रामीणों को ललकारता देख हमवलावर भाग निकले। खून से लथपथ मां–बेटे को ग्रामीण मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डाक्टरों ने सरबजीत को मृत घोषित कर दिया। दो घंटे बाद संगीता ने भी दम तोड़ दिया।

मां रवीन टंडन के साथ मस्ती के मूड में दिखीं एक्ट्रेस राशा थडानी

रश्मिका ने दिखाई 'थामा' के सेट की झलक, साझा की नाइट शूटिंग की तस्वीरें

शाम को भूत बनकर जन्नत जुबैर ने लोगों को डराया

पूजा हेगड़े ने पहली बार तमिल फिल्म के लिए की डबिंग

एंटरटेनमेंट डेस्क। पूजा हेगड़े की अगली बड़ी फिल्म रेट्रो है, जिसमें सुपरस्टार सूर्या मुख्य भूमिका में हैं और कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित है। उन्होंने इस फिल्म के लिए खुद अपनी आवाज तमिल में डब की है। पूजा हेगड़े कभी तेलुगु सिनेमा में सबसे ज्यादा पैसे पाने वाली अभिनेत्री थीं और उन्होंने कई बड़े अभिनेताओं के साथ काम किया था। हालांकि, जब से उन्होंने महेश बाबू की श्गुंटूर कारमश छोड़ी है, तब से उन्हें टॉलीवुड में कोई नया प्रस्ताव नहीं मिला है, लेकिन तमिल सिनेमा में ऐसा नहीं है, जहां उन्हें लगातार बड़ी फिल्में मिल रही हैं। अब अभिनेत्री से जुड़ी नई खबर सामने आई है।

फिल्म की शूटिंग जल्द पूरी होगी

पूजा की अगली बड़ी फिल्म रेट्रो है, जिसमें सुपरस्टार सूर्या मुख्य भूमिका में हैं और कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित है। यह सूर्या के साथ पूजा हेगड़े की पहली फिल्म है और नेटफ्लिक्स ने एक्शन ड्रामा के ओटीटी अधिकार हासिल कर लिए हैं। कुछ महीने पहले रिलीज हुए टीजर में पूजा को पारंपरिक अवतार में दिखाया गया था और सूर्या के साथ उनकी केमिस्ट्री को काफी सराहा गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, रेट्रो में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसकी शूटिंग पूरी होने वाली है।

खुद डबिंग कर रही हैं पूजा

अभिनेत्री को लेकर ताजा अपडेट है कि पूजा हेगड़े ने पहली बार तमिल में रेट्रो में खुद के लिए डबिंग की है। इससे पहले उनकी आवाज को दूसरों द्वारा डब किया गया था। हाल ही में एक इंटरव्यू में पूजा हेगड़े ने इस बात पर हैरानी जताई कि कार्तिक सुब्बाराज ने उन्हें लीड रोल के लिए अप्रोच किया। उन्होंने बताया, जब कार्तिक सर ने मुझे रेट्रो का ऑफर दिया तो मैं चौंक गई। यह रोल मेरी आम इमेज से बिल्कुल अलग है और मुझे इस रोल के लिए चुने जाने पर बहुत गर्व महसूस हुआ। मुझे पता था कि मुझे इसके लिए अपना सब कुछ देना होगा।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

ज्योतिका और सूर्या द्वारा अपने होम बैनर तले निर्मित रेट्रो 1 मई, 2025 को स्क्रीन पर आने के लिए तैयार है। फिल्म को लेकर निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज ने खुलासा किया कि सूर्या आखिरी आउटपुट से बहुत खुश थे और पूजा हेगड़े का प्रदर्शन भी उन्हें काफी पसंद आया। वहीं, अभिनेत्री की आने वाली फिल्मों के बारे में बात करें तो पूजा हेगड़े कुली में एक विशेष भूमिका निभाएंगी और कंचना 4 और जन नायकन में मुख्य भूमिका निभाएंगी। इसके अलावा उन्होंने है जवानी तो इश्क होना है नाम की एक बॉलीवुड प्रोजेक्ट भी साइन किया है।

होली का त्योहार पूरे देश में बड़ी धूमधाम से सेलिब्रेट किया जाता है। बालीवुड सेलेब्स भी रंगों से खेलने में पीछे नहीं रहते हैं। इस साल बालीवुड और साउथ सिनेमा की कई हीरोइनें शादी के बाद अपनी पहली होली सेलिब्रेट करने वाले हैं। कुछ अभिनेत्रियों ने पिछले साल शादी की थी और एक इसी साल शादी के बंधन में बंधीं।

शादी के बाद पहली होली मनाएंगी ये बालीवुड हसीनाएं

सेलिब्रिटीज मनाएंगे शादी के बाद पहली होली
इस साल 14 मार्च को सेलिब्रेट की जाएगी होली
एक अभिनेत्री की पिछले महीने हुई है शादी

हीरोइनों की पहली होली

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। होली का त्योहार बॉलीवुड गलियारों में भी बड़ी धूमधाम से सेलिब्रेट होता है। फिल्म इंडस्ट्री की होली हमेशा ही लाइमलाइट में रही है। इस साल कुछ स्टार्स के घर में होली थोड़ी ज्यादा शान–ओ–शौकत से मनाई जाने वाली है, क्योंकि यह उनकी शादी के बाद पहली बार होगा। बीते कुछ महीनों में बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की कई जानी–मानी अदाकाराओं ने अपने पार्टनर के साथ शादी की। ऐसे में इस साल उनकी पहली होली है जो वे अपने पतियों के साथ सेलिब्रेट करने वाली हैं।

सोनाक्षी सिन्हा

शत्रुघ्न सिन्हा की लाडली और दबंग एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने पिछले साल जून में ब्वॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से सिविल मैरिज की थी। इस साल वह शादी के बाद पहली बार होली सेलिब्रेट करने वाली हैं। हीरामंडी एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी की भी इस साल शादी के बाद पहली होली है। उन्होंने पिछले साल एक इंटीमेट वेडिंग सेरेमनी में एक्टर सिद्धार्थ के साथ सात फेरे लिए थे। फैंस उनकी पहली होली की झलकियां देखने के लिए बेताब हैं।

शोभिता धुलिपाला

मेड इन हेवन एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला के लिए इस साल की होली बहुत खास है क्योंकि वह शादी के बाद पहली बार अपने पति के साथ रंगों का त्योहार मनाने वाली हैं। पिछले साल दिसंबर महीने में शोभिता ने नागा चैतन्य (छंहं बेंपजंदलं) के साथ शादी की थी।

कीर्ति सुरेश

साउथ सिनेमा की ब्यूटी क्वीन कीर्ति सुरेश की भी इस साल शादी के बाद पहली होली है। वह पहली बार अपने पति एंथनी थाटिल के साथ होली के रंगों में सराबोर होंगी।

उन्होंने पिछले साल दिसंबर महीने में क्रिश्चियन और साउथ इंडियन रीति–रिवाज से अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड एंथनी से शादी की थी। एंथनी शोबिज से नहीं हैं। वह दुबई बेस्ड बिजनेसमैन हैं।

प्राजक्ता कोली

इसी साल प्राजक्ता कोली नेपाली दुल्हन बनी हैं। ऐसे में उनकी भी शादी के बाद पहली होली है। प्राजक्ता ने 25 फरवरी को वृषांक खनल के साथ शादी की जो नेपाल के रहने वाले हैं और पेशे से वकील हैं। प्राजक्ता की शादी की तस्वीरें खूब वायरल हुई थीं, अब उनके होली सेलिब्रेशन की तस्वीरों का इंतजार है।

श्रीदेवी की इस हिट फिल्म का सीक्वेल बनाएंगे बोनी कपूर, बेटी खुशी निभाएंगी मुख्य भूमिका !

एंटरटेनमेंट डेस्क। हाल ही में लवयापा और नादानियां में नजर आईं खुशी कपूर अब अपने पिता बोनी कपूर की फिल्म में नजर आएंगी, जो उनकी मां श्रीदेवी की ही एक हिट फिल्म का दूसरा पार्ट हो सकती है। इसकी जानकारी खुद बोनी कपूर ने दी है। जानिए वो कौनसी फिल्म है।

'मिस्टर इंडिया' और 'नो एंट्री' जैसी फिल्मों को बनाने वाले निर्माता बोनी कपूर अब अपनी बेटी खुशी कपूर को लेकर एक फिल्म बनाने की योजना बना रहे हैं। सबसे खास बात ये फिल्म खुशी की मां और एक्ट्रेस श्रीदेवी की अंतिम फिल्म 'मॉम' का सीक्वेल हो सकती है। इस बात की जानकारी खुद बोनी कपूर ने दी।

`माम' के लिए श्रीदेवी को मिला था नेशनल अवार्ड

2017 में आई श्रीदेवी की फिल्म 'मॉम' उनकी अंतिम फिल्म थी। इस फिल्म का निर्देशन रवि उदयवार ने किया था और इसके निर्माता बोनी कपूर थे। फिल्म में शानदार अभिनय के लिए श्रीदेवी को मर्णोपरांत बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था। बोनी कपूर इन दिनों 2005 में आई हिट कॉमेडी फिल्म 'नो एंट्री' के सीक्वेल का निर्माण कर रहे हैं। इस फिल्म के बारे में जानकारी देते हुए बोनी ने कहा, "नो एंट्री जुलाई–अगस्त में किसी समय आएगी। इसमें बहुत सी अभिनेत्रियां मुख्य भूमिका में हैं। इसलिए मैं अभी कुछ के बारे में बात नहीं कर सकता। हमने अभी कुछ को तय कर लिया है और कुछ और को तय करना है। तय होने के बाद औपचारिक घोषणा की जाएगी।

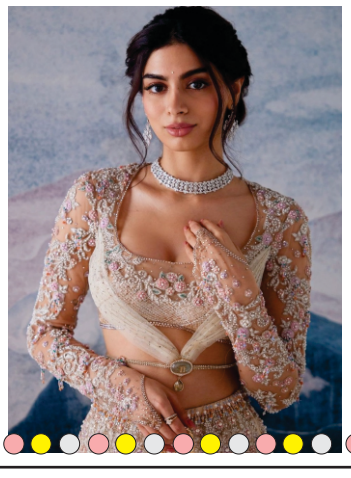

'नो एंट्री'

आईफा अवॉर्ड्स के दौरान मीडिया से बात करते हुए अपनी बेटियों खुशी और जान्हवी के लिए प्यार लुटाते हुए बोनी कपूर ने ये साझा किया कि वो अपनी अगली फिल्म में वो बेटी खुशी कपूर को ले सकते हैं। उन्होंने कहा, "मैंने खुशी की 'आर्चीज' से लेकर 'लवयापा' और 'नादानियां' सभी फिल्में देखी हैं। मैं 'नो एंट्री' के बाद खुशी के साथ फिल्म बनाने की योजना बना रहा हूं। यह फिल्म 'मॉम 2' भी हो सकती है। खुशी अपनी मां के नक्शेकदम पर चलने की कोशिश कर रही हैं। उनकी मां फिल्मों की एक टॉप एक्ट्रेस थीं। मुझे उम्मीद है कि जाह्नवी और खुशी भी इसी तरह की सफलता हासिल कर पाएंगी।

चैंपियन्स

चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में लगा ग्लैमर का तड़का

फैंस बोले– कैमरामैन की सैलरी बढ़ाओ

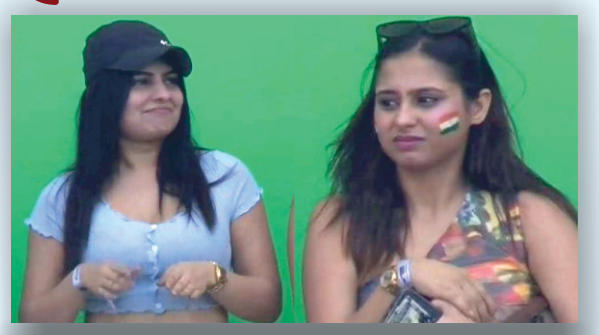

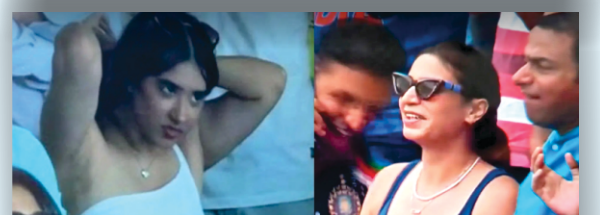

स्पोर्ट्स डेस्क। 25 साल बाद एक बार फिर यह दोनों टीमें आईसीसी के सीमित ओवर प्रारूप के खिताबी मुकाबले में आमने–सामने आईं। इस मैच में ग्लैमर का तड़का भी लगा। फैंस ने मैच के साथ–साथ खूबसूरती का भी भरपूर आनंद लिया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला खेला गया। 25 साल बाद एक बार फिर यह दोनों टीमें आईसीसी के सीमित ओवर प्रारूप के खिताबी मुकाबले में आमने–सामने आईं। इस मैच में ग्लैमर का तड़का भी लगा। भारत ने चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल चार विकेट से अपने नाम किया। टीम इंडिया की जीत में कप्तान रोहित शर्मा और स्पिनर्स ने अहम भूमिका निभाई।

भारत की चार विकेट से जीत

गेंदबाजों के बाद रोहित शर्मा की अगुआई में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ने रविवार को न्यूजीलैंड को हराकर चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता। भारत ने इस तरह 2013 के बाद इस टूर्नामेंट की ट्रॉफी अपने नाम की। न्यूजीलैंड ने भारत के सामने जीत के लिए 50 ओवर में 252 रनों का लक्ष्य रखा था जिसे भारतीय टीम ने चार विकेट शेष रहते जीता। भारत ने कप्तान रोहित शर्मा के 83 गेंदों पर 76 रनों की पारी के दम पर 49 ओवर में छह विकेट पर 254 रन बनाकर जीत दर्ज की। मैच के दौरान कैमरामैन भी खासा चर्चे में रहे। दरअसल, मुकाबले के दौरान कैमरामैन ने स्टेडियम में मौजूदा महिला फैंस पर कई बार फोकस किया। इसके बाद फैंस ने सोशल मीडिया पर इसको खूब ट्रोल किया। कुछ फैंस ने तो कैमरामैन की सैलरी बढ़ाने को भी कहा।

दिल्ली। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में न्यूजीलैंड 4 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। टीम ने न्यूजीलैंड से मिले 252 रन के टारगेट को रोहित शर्मा के रिकॉर्ड 76 रन की बदौलत 49 ओवर में हासिल कर लिया। रिकॉर्ड्स का दिन रोहित शर्मा के नाम रहा। रोहित लगातार सबसे ज्यादा टॉस हारने वाले कप्तान बने। रोहित शर्मा ने प्ब्ब टूर्नामेंट्स में लगातार 13 वीं जीत दर्ज की। रोहित शर्मा चौंपियंस ट्रॉफी जीतने वाले 8वें और तीसरे भारतीय कप्तान बने। वे लगातार 2 प्ब्ब फाइनल जीतने वाले चौथे कप्तान भी बने। पिछले 8 वनडे में ऐसा पहली बार हुआ जब भारत अपनी विपक्षी टीम को पहली इनिंग में ऑलआउट नहीं कर पाया। कल न्यूजीलैंड ने 7 विकेट खोकर 251 रन बनाए।

चैंपियंस ट्रॉफी की किसी एक इनिंग में सबसे ज्यादा ओवर स्पिन से डालने के मामले में भारतीय टीम दूसरे स्थान पर आ गई। टीम ने आज 38 ओवर स्पिन बॉलिंग की। पहले स्थान पर श्रीलंका है। जिसने 2002 के सेमीफाइनल में 39.4 ओवर स्पिन बॉलिंग की थी।

मोहम्मद शमी ने कल 10 ओवर में 74 रन दिए। यह चौंपियंस ट्रॉफी में किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा दिए गए दूसरे सबसे ज्यादा रन हैं। इससे पहले 2013 में कार्डिफ के मैदान पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ उमेश यादव ने 75 रन देकर 2 विकेट लिए थे।

डेरिल मिचेल ने अपनी फिफ्टी पूरी करने के लिए 91 बॉल खेलीं। यह 2011 के बाद वनडे में न्यूजीलैंड के लिए दूसरी सबसे ज्यादा गेंदों पर फिफ्टी रही।

चैंपियंसट्रॉफी 2025 में भारत ने 9 कैच छोड़े। यह किसी भी टीम द्वारा सबसे ज्यादा गंवाए गए मौके हैं।

भारत ने अब तक सबसे ज्यादा 14 **ICC**टूर्नामेंट्स के फाइनल खेले हैं। जिसमें टीम ने 7 जीत दर्ज की। यह भारत की तीसरी चैंपियंस ट्रॉफी जीत रही। टीम ने 2 टी–20 और 2 ही वनडे वर्ल्ड कप भी जीते हैं।

रोहित शर्मा चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाले दुनिया के 8वें और भारत के तीसरे कप्तान बने।

रोहित शर्मा **ICC** टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं।

रोहित ने 76 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। ऐसी ही 76 रन की पारी विराट कोहली ने 2024 टी20 वर्ल्ड कप में खेली थी। दोनों खिलाड़ियों को उस टूर्नामेंट के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया।

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने सबसे ज्यादा 9 **ICC** टूर्नामेंट्स के फाइनल खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। उनसे पहले युवराज सिंह 8 फाइनल खेल चुके थे। यहां जडेजा ने युवी की बराबरी की। रोहित ने कल 76 रन की पारी खेली। जो उनका **ICC**टूर्नामेंट के फाइनल में पहला अर्धशतक रहा।

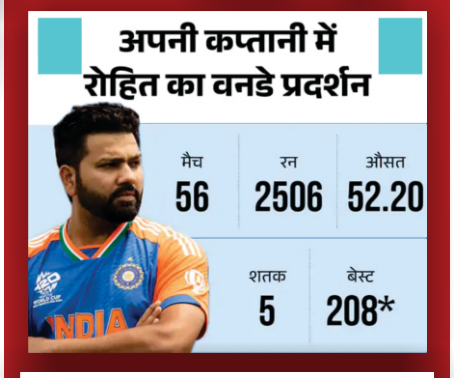

चैंपियंस ट्रॉफी में रोहित का 100 फीसदी

सक्सेस रेट

चैंपियंस ट्रॉफी में रोहित ने पहली बार कप्तानी की। टीम ने ग्रुप स्टेज में 3 मैच खेले और तीनों जीते। इंडिया ने पहले दोनों मैच में बांग्लादेश और पाकिस्तान को 6–6 विकेट से हराया। तीसरे मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ रोहित ने 4 स्पिनर्स खिलाए और मुकाबला 44 रन से जीता।

भारत का सेमीफाइनल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुआ, यहां टीम ने अच्छी बैटिंग के दम पर 4 विकेट से मुकाबला जीता। फाइनल में भी भारत ने दबदबा दिखाया और न्यूजीलैंड को दुबई में 4 विकेट से ही हरा दिया। टीम इंडिया ने अपने पांचों मैच दुबई में ही खेले।